Impact Factor-8.575 (SJIF) ISSN-2278-9308

B.Aadhar

Peer-Reviewed & Referred Indexed

Multidisciplinary International Research Journal

August-2022

ISSUE No- (CCCLVIII) 358-H

Rural Development

Chief Editor
Prof. Virag S. Gawande
Director
Aadhar Social
Research & Development
Training Institute Amravati

Editor
Dr.Sanjeevananda Borgohain
Principal,
Nandalal Borgohain City College,
Dibrugarh Assam

Editor
Dr. Baliram Pawar
Head, Department of Sociology
Mahatma Phule College Kingaon Latur
Maharashtra

This Journal is indexed in :
- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmos Impact Factor (CIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)

For Details Visit To : www.aadharsocial.com

Aadhar Publications

INDEX-H

No.	Title of the Paper — Authors' Name	Page No.
1	ग्रामीण विकासात लघु व कुटीर उद्योगाची भूमिका. — मनोहर रामचंद्र चौधरी , डॉ. राधेशाम पिलाजी चौधरी	1
2	लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड नेटवर्किंग इन गवर्नमेंट यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज़ ऑफ़ मध्य प्रदेश — संध्या गुप्ता , डॉ अरुण मोदक	8
3	विशिष्ट बालक के लिए समावेशी शिक्षा कितनी प्रभावी — डॉ. ब्रजरानी शर्मा	15
4	शिक्षकों के शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन — डॉ. राजेश कुमार सिंह	18
5	मध्यप्रदेश के आदिवासी क्षेत्र राजाबरारी में प्रचलित पर्व — ओस सत्संगी , डॉ. नीतू गुप्ता	21
6	पंचायतों में ग्रामीण महिलाएँ एवं सामाजिक दृष्टिकोण — मरियम मुर्मू	25
7	स्थानिक स्वराज्य संस्था व ग्रामीण विकास — **प्रा. संजय अंकुशराव जगताप**	30
8	ग्रामीण अंचल में संगीत का स्वरूप — डॉ. प्रियदर्शिनी उपाध्याय	32
9	लोक संगीत तथा शास्त्रीय संगीत में परस्पर सम्बन्ध — दीप्ति विश्वकर्मा ,डॉ. ब्रजरानी शर्मा	35
10	भारत में पंचायती राज व्यवस्था एवं ग्रामीण विकास — डॉ. आरती गहरवार	38
11	रामकाव्य एवं परम्परा और साकेत — वरुण कुमार	43
12	पंचायत राज और ग्रामीण विकास — डॉ. सविता	46
13	Addressing Socio-Economic Vulnerabilities In Kerala With Special Reference To Scheduled Castes And Scheduled Tribes — **Dr.Maneesh.B**	49
14	Dairy farming in India and role of technology adoption in dairy sector — **Hans Kaushik , Dr. Rohit Rajwanshi**	52
15	Cooperative societies progress in five year plans — **Dr.Surendra.K**	58
16	Rural Development During Colonial Period — **Dr. Vishwas.A. Korwar**	62
17	Swamy Vivekananda Philosophy And Movement — **Dashavant Maruti**	65
18	The problems of rural women in indian society. — **Prof.S.I.Malagali**	68
19	Role of Empoweredwomen In Rural Develpoment"- A Study On Women Self Groups (Sgh)Sof Golaghat District ,Assam. — **Dr. Manashi Gogoi Borgohain**	73
20	A Bird View Of Self Help Groups — **Dr. M.Anuradha , P. T. Krishnam Nnaidu**	77

31 अगस्त 2022

(SJIF) Impact Factor-8.575 ISSN-2278-9308

B.Aadhar

Peer-Reviewed & Referred Indexed

Multidisciplinary International Research Journal

August-2022

ISSUE No- (CCCLVIII) 358- H

Chief Editor
Prof. Virag S. Gawande
Director
Aadhar Social
Research & Development
Training Institute Amravati

Editor
Dr.Sanjeevananda Borgohain
Principal,
Nandalal Borgohain City College,
Dibrugarh Assam

Editor
Dr. Baliram Pawar
Head, Department of Sociology
Mahatma Phule College Kingaon,
Latur, Maharashtra

The Journal is indexed in:

Scientific Journal Impact Factor (SJIF)

Cosmos Impact Factor (CIF)

International Impact Factor Services (IIFS)

Aadhar International Publication

शिक्षकों के शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

डॉ. राजेश कुमार सिंह
एम०ए० (हिन्दी) एम०एड०, पी०एच०डी० (शिक्षाशास्त्र)

सारांश–कक्षा शिक्षण शिक्षक और छात्र के बीच अन्तः क्रिया की प्रक्रिया होती है। एक सुव्यवस्थित शिक्षण प्रणाली में निर्देशात्मक अधिगम शिक्षक छात्र परस्पर उचित अन्तः क्रिया की पहचान तथा शिक्षण वर्गीकरण का पूर्ण प्रतिनिधित्व होती है। अवलोकन द्वारा शिक्षण गतिविधियां, शिक्षण दक्षता तथा इसके घटकों के प्रति जागरूकता उत्पन्न की जा सकती है। क्योंकि देश का विकास गुणवत्ता युक्त शिक्षा से प्रमाणित होता है कि और शिक्षा की गुणवत्ता शिक्षक के व्यवहार से प्रमाणित होती है।
अतः शिक्षकों के कक्ष में किये गये व्यवहार को विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है।

मुख्य शब्द–शिक्षक, शिक्षण दक्षता, शैक्षिक उपलब्धि।

प्रस्तावना–शिक्षक भविष्य का निर्माता है। भविष्य के निर्माणकर्ता होने के कारण उसके ऊपर अनेकों दायित्व निभाने पड़ते हैं इसी क्रम में शिक्षक जब कक्षा में प्रवेश करता है तो छात्रों के बीच अन्तः क्रिया करता है। इस अन्तः क्रिया के दौरान छात्रों की समस्याओं का समाधान करता है। शिक्षक अधिगम को सरल व सहज बनाने के उद्देश्य से किये जाने वाले शिक्षण कार्यों का विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रभाव डालता है। एक शिक्षक अपने पाठ्य विषय को छात्रों के सम्मुख जितनी सरलता से प्रस्तुत करता है। उसका प्रभाव विद्यार्थियों पर सकारात्मक रूप से पड़ता है। शिक्षक का अपने विषय पर प्रभुत्व प्राप्त है तो वह अपने विद्यार्थियों को शिक्षण दक्षता के माध्यम से अधिगम कराने में पूर्णतया सफल होगा और ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के लिए आदर्श होते है।

अध्ययन उद्देश्य–

1. ग्रामीण शिक्षकों के शिक्षण दक्षता का अध्ययन करना।
2. शहरी शिक्षकों के शिक्षण दक्षता का अध्ययन करना।
3. ग्रामीण व शहरी शिक्षकों के शिक्षण दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

परिकल्पना–प्रस्तुत शोध में शून्य परिकल्पना का सहारा लिया गया है, शिक्षकों के शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नही है।

सीमांकन–प्रस्तुत शोध में अध्ययन का सीमांकन निम्नलिखित प्रकार से किया गया है।

न्यादर्श–प्रस्तुत अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में उद्देश्य पूर्ण न्यादर्श के रूप ग्रामीण व शहरी से 150–150 शिक्षकों का चयन किया गया है।

शोध में प्रयुक्त विधि–प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु आंकड़ों को एकत्र व विश्लेषण करने हेतु सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया है। जिसमें मुख्य रूप सें मध्यमान, मानक विचलन, टी–परीक्षण, संह संबन्ध आदि सांख्यिकी प्रविधियों का सहारा लिया गया है।

तालिका सं0 – 1

क0	चर	योग	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
01	ग्रामीण शिक्षक	150	15.24	3.04	1.59	0.05
02	शहरी शिक्षक	150	14.61	3.77		

• ग्रामीण शिक्षक व शहरी शिक्षकों की शिक्षण दक्षता।

विश्लेषण–प्रस्तुत तालिका सं0–1 के अनुसार ग्रामीण शिक्षकों का अध्ययन 15.24 तथा शहरी शिक्षकों का मध्यमान 14.61 प्राप्त हुए है। वही मानक विचलन ग्रामीण शिक्षक का 3.04 तथा शहरी शिक्षक का 3.77 प्राप्त हुए इनसें प्राप्त टी–मूल्य 1.59 जो कि सार्थकता स्तर 0.05 प्राप्त हुआ। अतः शून्य परिकल्पना असार्थक पायी गयी।

चूंकी कक्षा गत परिस्थितियों में शिक्षकों के शिक्षण के शिक्षण दक्षता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि समान स्तर है। परिणामतः विद्यार्थियों की ग्रामीण व शहरी में शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही होता है।

तालिका सं०-२

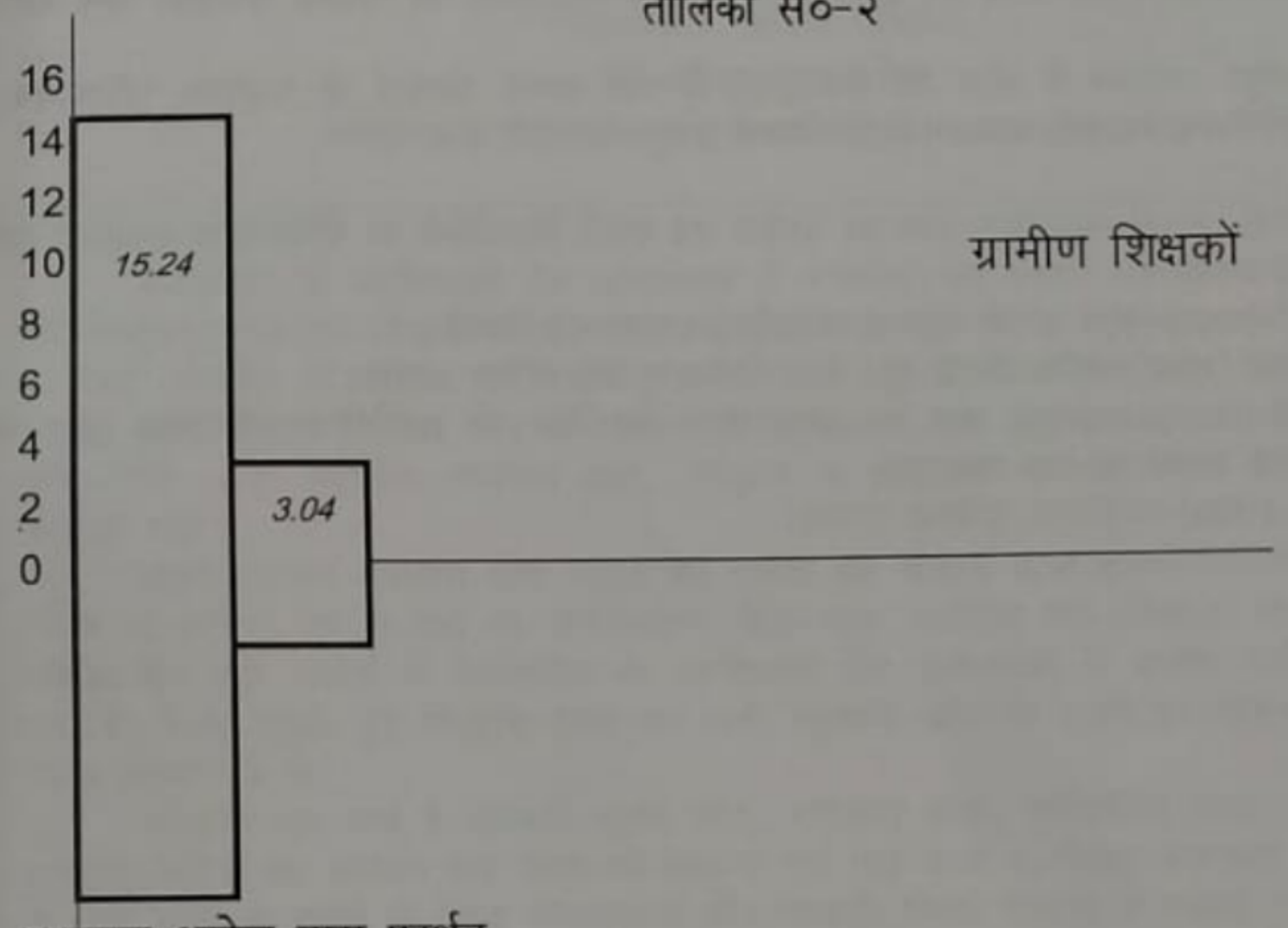

मध्यमान आरेख द्वारा प्रदर्शन

तालिका सं0–3

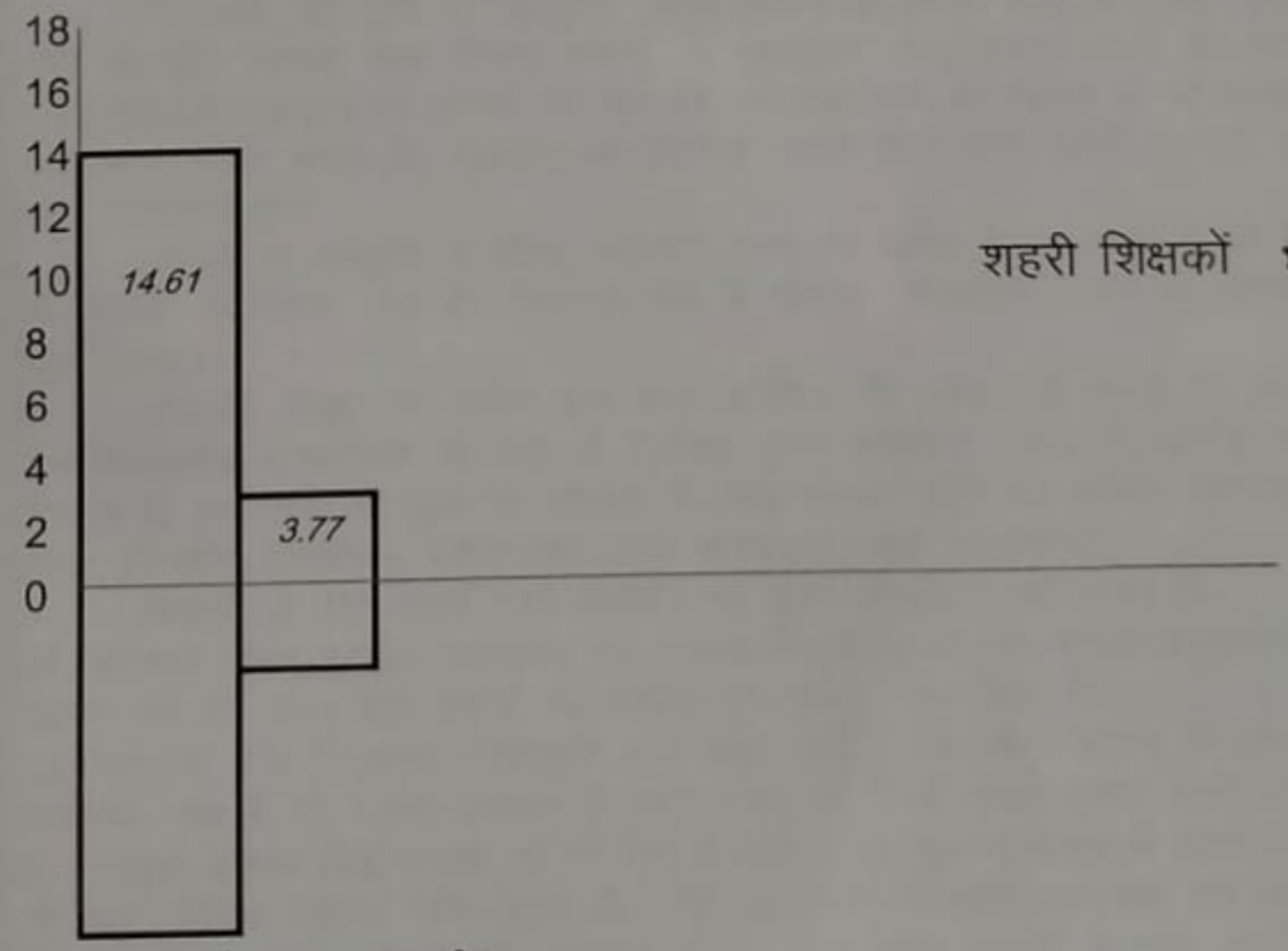

मध्यमान आरेख द्वारा प्रदर्शन

विश्लेषण–ग्रामीण शिक्षको के शिक्षण दक्षता मध्यमान शहरी शिक्षको के शिक्षण दक्षता मध्यमान से अधिक है। कक्षागत परिस्थितियां एवं प्रदर्शन में शैक्षिक उपलब्धि में ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा शहरी विद्यार्थियों का अधिक पाया गया। क्योंकी शहरी विद्यार्थियों में ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा साधन संसाधन अधिक उपलब्ध हो पाता है। इस कारण ग्रामीण विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि कम पाया गया।

उपसंहार– प्रस्तुत अध्ययन में शोध की प्रस्तावना, समस्या कथन, समस्या के उद्देश्य, परिकल्पना, समस्या का परिसीमन, न्यादर्श, अध्ययन विधि निष्कर्ष प्रस्तुत की गयी है।

संदर्भ ग्रंथ –

1. सिंह जगदम्बा (2018)–माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों का ऐतिहासिक सम्प्रत्यय एवं जागरूकता का अध्ययन।
2. बी.एन. शर्मा (1995)–शोध प्रविधि नेशनल पब्लिशिश हाउस नई दिल्ली।
3. एच.के. कपिल (1982)–सांख्यिकी के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
4. सिंह राजेश (2012)–हाईस्कूल स्तर पर अध्यापनरत विद्यार्थियों की सामवेगिक परिपक्वता बुद्वि एवं उपलब्धि के मध्य सम्बधं का एक अध्ययन।
5. राम पी.एन. (1985)–अनुसंधान परिचय आगरा।